अभ्यास

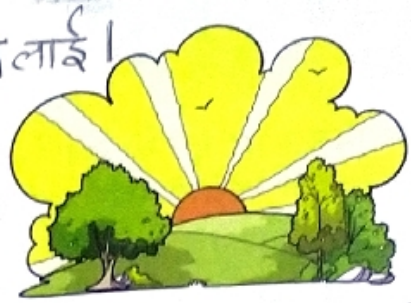

मौखिक प्रश्न

उत्तर दीजिए। एक किरण दुनिया में निराली ज्योति लाई।

क. एक किरण दुनिया में क्या लाई?

ख. सूर्य कहाँ से निकला? सूर्य पूरब से निकला

ग. किरण के हँसने पर क्या हुआ?

घ. कवि क्या बनने की प्रेरणा दे रहा है?

उत्तर (ग) किरण के हँसने पर फूल मुसकराने लगे, सुगंधित हवा बहने लगी और भौंरे मीठे गाने गाने लगे।

लिखित प्रश्न

1. सही उत्तर पर ✓ लगाइए। (घ) कवि हमें एक ऐसी किरण बनने की प्रेरणा दे रहा है जिससे दुनिया में जीवन फैल जाए और प्रकाश से धरती प्रकाशित हो जाए।

क. कैसी पवन बह रही है?

- ✓ सुगंधित
- शीतल
- मंद

ख. प्रकाश कैसा है?

- ✓ सुंदर
- तेज
- मद्धिम

2. रिक्त स्थानों को भरिए।

क. हर पत्ती ——सुनहरे—— रंग में रँग गई।

ख. ज्योति बहुत ——निराली—— थी।

ग. किरण हर पत्ती और ——डाली डाली—— पर पड़ रही थी।

घ. किरण आकर सब पर ——छा—— गई थी।

3. काव्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

एक किरण आई हँस-हँसकर,
फूल लगे मुसकाने।
बही सुगंधित पवन,
गा रहे भौंरे मीठे गाने।।

क. किरण के हँसने पर फूलों ने क्या किया?

किरण के हँसने पर फूल भी मुसकाने लगे।

ख. पवन किस प्रकार की थी?

पवन सुगंधित थी।

ग. प्रातःकाल कौन गा रहा था?

प्रातः काल भौंरे गा रहे थे।

घ. भौंरों का गान कैसा था?

भौंरों का गान मीठा था।

4. उत्तर लिखिए।

क. 'एक किरण आई छाई' किस कवि की रचना है?

एक किरण आई छाई सोहनलाल द्विवेदी जी की रचना है।

ख. सूर्य किस दिशा में उदय होता है?

सूर्य पूरब दिशा में उदय होता है।

ग. हम धरती का कण-कण कैसे चमका सकते हैं?

हम अपने कार्यों से धरती का कण-कण चमका सकते हैं।

घ. किरणें छाने पर प्रकृति में क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?

किरणें छाने पर पेड़ों की पत्तियाँ और डालियाँ सुनहरे रंग में रँग जाती है, फूल मुसकराने लगते हैं, सुगंधित हवा बहने लगती है और भौंरे गाने लगते हैं। धरती का कण-कण प्रकाशित होने लगता है।

5. सुनो और लिखो।

ज्योति निराली सुनहरे पत्ती सुखद दिशाएँ मुसकाने सुगंधित प्रकाश

सोचो और बताओ

कवि इस कविता के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?

इस कविता के माध्यम से हमें यह संदेश देना चाहते हैं सूरज की एक किरण सम्पूर्ण जगत प्रकाशमान हो जाता है, प्रकृति मुसकुराने लगती है और सभी प्रसन्न और सुखी हो जाते है, उसी प्रकार हमें भी अच्छे कार्यों के द्वारा धरती के कण-कण को प्रकाशित करना चाहिए।

भाषा बोध

1. दिए गए शब्दों के वर्णों को अलग-अलग करके लिखिए।

क. ज्योति ज् + य् + ओ + त् + इ

ख. दिशाएँ द् + इ + श् + आ + एँ + —

ग. सुगंधित स् + उ + ग् + अं + ध् + इ + त् + अ

किसी शब्द के वर्णों को अलग-अलग करके लिखना वर्ण-विच्छेद कहलाता है।

2. दिए गए वर्णों को मिलाकर लिखिए।

क. क् + ऋ + ष् + अ + क् + अ — कृषक

ख. र् + अ + क् + ष् + अ + क् + अ — रक्षक

ग. र् + आ + ष् + ट् + र् + अ — राष्ट्र

घ. ज् + ञ् + आ + न् + अ — ज्ञान

किसी शब्द के अलग-अलग किए गए वर्णों को मिलाकर लिखना वर्ण-संयोग कहलाता है।

3. दिए गए शब्दों के शुद्ध रूप लिखिए।

क. दूनिया — दुनिया

ख. नीराली — निराली

ग. कवियित्री — कवयित्री

घ. तयौहार — त्योहार

ङ. उत्चारण — उच्चारण

च. मूसकाराहट — मुसकराहट

4. दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए।

क. सुखद — दुखद

ख. हँस — रो

ग. पूरब — पश्चिम

घ. मीठे — कड़वे

ङ. आई — गई

च. सुंदर — भद्दा

5. दिए गए शब्दों के समानार्थी रूप लिखिए।

क. दुनिया — संसार, जगत

ख. डाली — शाखा

ग. सवेरा — सुबह

घ. धरा — धरती

ङ. कण — कतरा

च. पवन — हवा

6. शब्दों को सही क्रम में लिखकर वाक्य बनाइए।

क. हर पत्ती रंग में ने रँग को सुनहरे किरणों दिया।

किरणों ने हर पत्ती को सुनहरे रंग में रँग दिया।

ख. आने हो से एक के दुनिया प्रकाशमान किरण गई।

एक किरण के आने से दुनिया प्रकाशमान हो गई।

ग. गा भौंरे थे गाने मीठे रहे।

भौंरे मीठे गाने गा रहे थे।